731

SA-06

December - Examination 2017

B.A. Pt. III Examination

वेद उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper - SA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) ''कस्मै देवाय हविषा विधेम'' किस सूक्त की पंक्तियाँ हैं?

(ii) महर्षि पतंजलि के अनुसार ऋग्वेद की कितनी शाखाएँ हैं?

(iii) विष्णु किस स्थान के देवता हैं?

(iv) राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त किस वेद का अंश है?

(v) कठोपनिषद् में नचिकेता द्वारा यम से याचित प्रथम वर क्या था?

(vi) कठोपनिषद् अनुसार नचिकेता को बताए गये दो पथ या मार्ग कौनसे हैं?

(vii) अक्षपाद दर्शन किसे कहा गया है?

(viii) समवाय सम्बन्ध की परिभाषा लिखिए।

(ix) पुरोहित अभिधा से ऋग्वैदिक कौनसा देवता विभूषित है?

(x) वरुण सूक्त के देवता, छन्द एवं ऋषि का नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) द्यावा चिदस्मै पृथ्वी नमेते, शुष्माच्चिदस्य पर्वता भयन्ते।
यः सोमपा निचितो वज्रबाहुर्यो वज्रहस्तः स जनास इन्द्रः।।

(ii) प्र तद्विष्णु स्तवते वीर्येण मृगो न भीगो कुचरो गिरिष्ठाः।
यस्योरुषु त्रिषु विक्रमणेष्वधिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा।।

3) काल सूक्त के आधार पर काल के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4) निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए –

(i) असत्कार्यवाद।

(ii) अथ त्रिविधदुःखात्यन्तनिवृत्तिरत्यन्तपुरुषार्थः।

5) कठोपनिषद् के आधार पर आत्मतत्त्व के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

6) वैदिक संवाद सूक्तों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7) शिवसंकल्प सूक्त के आधार मन के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

8) न्याय–वैशेषिक दर्शन के आधार पर ईश्वर का वर्णन कीजिए।

9) अग्नि अथवा संज्ञान सूक्त का सारांश लिखिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) सांख्य दर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए।

11) पुरुष सूक्त के आधार पर सृष्टि की उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए।

12) भारतीय दर्शन में मोक्ष के स्वरूप पर विस्तृत लेख लिखिए।

13) ''कठोपनिषद् में प्रोक्त यम नचिकेता संवाद भारतीय ज्ञान परम्परा का अनमोल रत्न है'' इस पंक्ति की सोदाहरण विस्तृत विवेचना कीजिए।